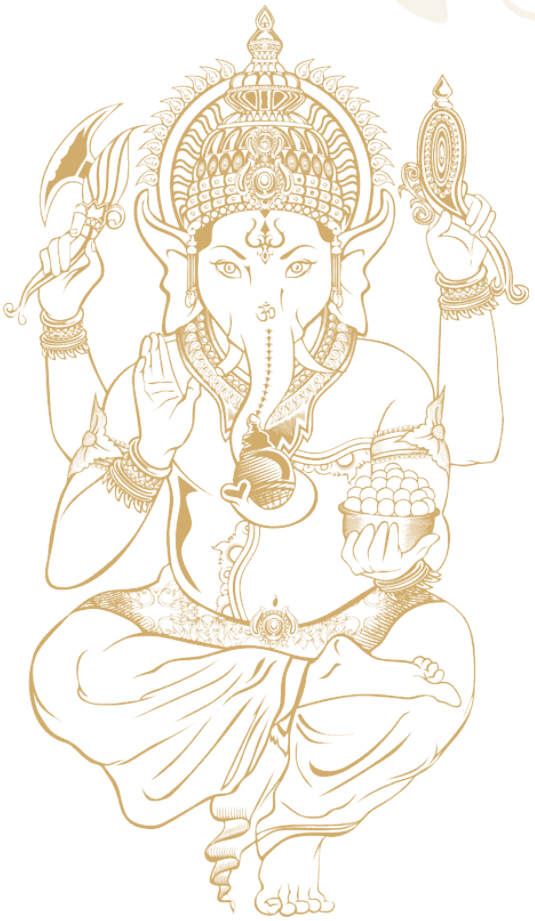

Mr.roshan ray

11 Apr 2000

10:40 AM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 119221703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/04/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:40:00 घंटे**
इष्ट	12:48:06 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:48:40 घंटे
वेलान्तर	-00:01:00 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:35 घंटे
सूर्योदय	05:32:45 घंटे
सूर्यास्त	18:12:23 घंटे
दिनमान	12:39:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:45:56 मीन
लग्न के अंश	18:35:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:35:24	318:12:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मीन	27:45:56	00:58:52	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	23:12:52	14:06:07	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	20:04:59	00:43:12	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	स्वराशि
बुध			मीन	03:28:18	01:27:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			मेष	17:39:19	00:13:54	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मीन	11:37:14	01:14:00	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि			मेष	22:50:50	00:07:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	06:04:09	00:00:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	06:04:09	00:00:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:11:13	00:02:04	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:30:48	00:00:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:51:02	00:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	08:12:17	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:23

लग्न-चलित

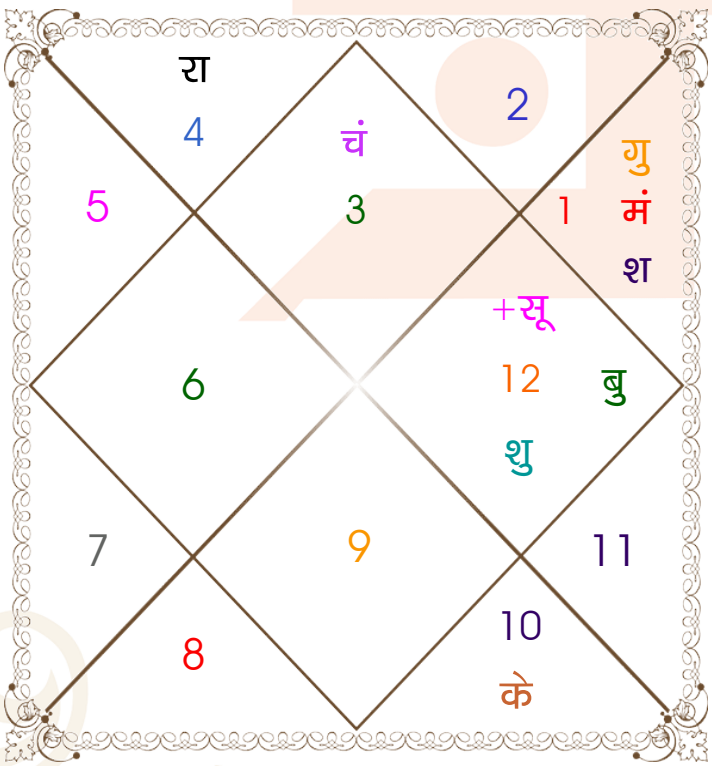

चन्द्र कुंडली

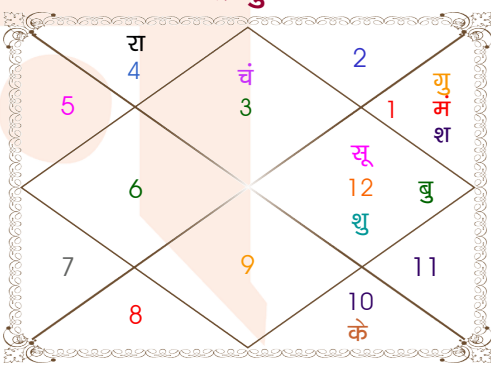

नवमांश कुंडली

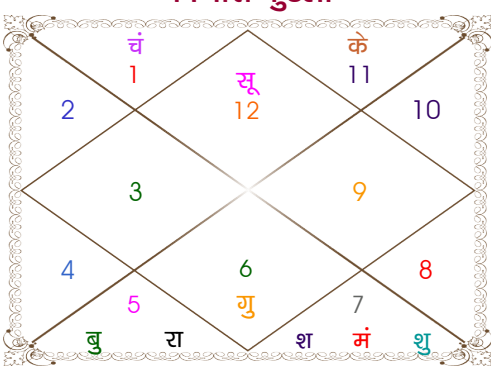

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 1 मास 21 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/04/2000		02/06/2012		03/06/2031		02/06/2048		03/06/2055	
02/06/2012		03/06/2031		02/06/2048		03/06/2055		03/06/2075	
	11/04/2000	शनि	06/06/2015	बुध	29/10/2033	केतु	29/10/2048	शुक्र	02/10/2058
शनि	01/02/2001	बुध	13/02/2018	केतु	27/10/2034	शुक्र	29/12/2049	सूर्य	03/10/2059
बुध	09/05/2003	केतु	25/03/2019	शुक्र	27/08/2037	सूर्य	06/05/2050	चंद्र	02/06/2061
केतु	14/04/2004	शुक्र	24/05/2022	सूर्य	03/07/2038	चंद्र	05/12/2050	मंगल	02/08/2062
शुक्र	14/12/2006	सूर्य	06/05/2023	चंद्र	02/12/2039	मंगल	03/05/2051	राहु	02/08/2065
सूर्य	03/10/2007	चंद्र	05/12/2024	मंगल	29/11/2040	राहु	21/05/2052	गुरु	02/04/2068
चंद्र	01/02/2009	मंगल	14/01/2026	राहु	18/06/2043	गुरु	27/04/2053	शनि	03/06/2071
मंगल	07/01/2010	राहु	20/11/2028	गुरु	23/09/2045	शनि	06/06/2054	बुध	03/04/2074
राहु	02/06/2012	गुरु	03/06/2031	शनि	02/06/2048	बुध	03/06/2055	केतु	03/06/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/06/2075		02/06/2081		03/06/2091		03/06/2098		03/06/2116	
02/06/2081		03/06/2091		03/06/2098		03/06/2116		00/00/0000	
सूर्य	20/09/2075	चंद्र	03/04/2082	मंगल	30/10/2091	राहु	14/02/2101	गुरु	22/07/2118
चंद्र	21/03/2076	मंगल	02/11/2082	राहु	16/11/2092	गुरु	10/07/2103	शनि	12/04/2120
मंगल	27/07/2076	राहु	03/05/2084	गुरु	23/10/2093	शनि	16/05/2106		00/00/0000
राहु	21/06/2077	गुरु	02/09/2085	शनि	02/12/2094	बुध	03/12/2108		00/00/0000
गुरु	09/04/2078	शनि	03/04/2087	बुध	29/11/2095	केतु	21/12/2109		00/00/0000
शनि	22/03/2079	बुध	01/09/2088	केतु	27/04/2096	शुक्र	21/12/2112		00/00/0000
बुध	26/01/2080	केतु	02/04/2089	शुक्र	27/06/2097	सूर्य	15/11/2113		00/00/0000
केतु	02/06/2080	शुक्र	02/12/2090	सूर्य	02/11/2097	चंद्र	17/05/2115		00/00/0000
शुक्र	02/06/2081	सूर्य	03/06/2091	चंद्र	03/06/2098	मंगल	03/06/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 1 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।